भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2722
(16 दिसम्बर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए)

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना बारहमासी सड़कें

2722. श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल:

क्या **ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बांदा, चित्रकूट, मणिकपुर और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों की कई ग्राम पंचायतें अभी तक बारहमासी सड़कों (ऑल वेदर रोड्स) से जुड़ी नहीं हैं;

(ख) यदि हाँ, तो इन जिलों में पिछले पांच वर्षों में उक्त योजना के तहत स्वीकृत सड़कों की संख्या, निर्माणाधीन सड़कों की स्थिति और पूर्ण हुई परियोजनाओं का ब्योरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सही है कि कई ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता खराब है और निर्माण के तुरंत बाद ही उनमें गड्ढे, टूट-फूट या जल-जमाव जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो दोषी निर्माण एजेंसियों/ठेकेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई और इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या दिशा-निर्देश जारी किये गए?

उत्तर
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(श्री कमलेश पासवान)

(क) और (ख) ग्रामीण विकास मंत्रालय प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के माध्यम से बांदा, चित्रकूट जिलों और उत्तर प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों सहित देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सभी पात्र बसावटों के लिए सार्वभौमिक बारहमासी सड़क संपर्कता प्राप्त करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करता है।

जबकि पीएमजीएसवाई-I ने 2001 की जनगणना के जनसंख्या मानदंडों के अनुसार अधिकांश पात्र बसावटों को सफलतापूर्वक जोड़ा है, सरकार ने मौजूदा ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के लिए पीएमजीएसवाई-III को निष्पादित किया है। इसमें थ्रू रूट्स और प्रमुख ग्रामीण लिंक के माध्यम से महत्वपूर्ण उन्नयन शामिल था जो बसावटों को ग्रामीण कृषि बाजारों (ग्राम), उच्च माध्यमिक स्कूलों और अस्पतालों जैसे प्रमुख सामाजिक-आर्थिक केंद्रों से जोड़ते हैं, इस प्रकार, आबादी के लिए बारहमासी पहुंच को और बढ़ाते हैं।

चालू प्रक्रिया को गति देने के लिए, सरकार ने पीएमजीएसवाई-IV का शुभारंभ किया है, जिसे विशेष रूप से जनगणना 2011 के जनसंख्या मानदंडों के अनुसार शेष संपर्कवहीन पात्र बसावटों को नई संपर्कता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह दूरंदेशी चरण सुनिश्चित करता है कि पीएमजीएसवाई के जनसंख्या मानदंडों के अनुसार ग्रामीण सड़क संपर्कता की पूर्ण संतृप्ति प्राप्त करने के लिए कुछ शेष पात्र नई पात्र बसावटों को सड़क संपर्क मिल सके।
विगत पांच वर्षों के दौरान बांदा और चित्रकूट जिलों में स्वीकृत और पूर्ण किए गए कार्यों का विवरण निम्नानुसार है: -

जिला	स्वीकृत		पूर्ण		शेष		लाभान्वित बसावटें
	सड़कों की संख्या	लम्बाई (किमी में)	सड़कों की संख्या	लम्बाई (किमी में)	सड़कों की संख्या	लम्बाई (किमी में)	
बांदा	21	163.37	21	162.38	0	0	124
चित्रकूट	13	93.99	9	66.73	*4	27.26	66
कुल	**34**	**257.36**	**30**	**229.11**	**4**	**27.26**	

*** 04 सड़कों की स्थिति अनुबंध में दी गई है।**

(ग) और (घ) जबकि सरकार सभी निष्पादित कार्यों में अच्छी गुणवत्ता के लिए प्रयास करती है, हालांकि, ऐसे उदाहरण सामने आए हैं कि कुछ सड़क अवसंरचना, कभी-कभी भारी, अप्रत्याशित यातायात भार या खराब मौसम भिन्नता जैसे कारकों के कारण गड्ढे या सतह के घिसाव जैसे रखरखाव के मुद्दों का सामना करती हैं। ऐसी किसी भी घटना को सक्रिय रूप से संबोधित करने और ग्रामीण संपर्कता में किए गए महत्वपूर्ण निवेश की रक्षा करने के लिए, सरकार ने निर्माण के दौरान गुणवत्ता नियंत्रण और पूरा होने के बाद की जवाबदेही दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक मजबूत, संस्थागत ढांचा स्थापित किया है।

ग्रामीण सड़कों की दीर्घायुता और गुणवत्ता की गारंटी देने के लिए, सरकार ने सख्त प्रवर्तन उपायों के साथ-साथ पीएमजीएसवाई के तहत एक कठोर त्रिस्तरीय गुणवत्ता प्रबंधन तंत्र को संस्थागत बनाया है।

(i) सभी पीएमजीएसवाई सड़कें निर्माण एजेंसी/ठेकेदार के साथ अनिवार्य पांच साल के रखरखाव अनुबंध द्वारा कवर की जाती हैं। ठेकेदार संविदात्मक रूप से किसी भी दोष (जैसे गड्ढे या टूटने) जो इस रखरखाव अवधि के दौरान उत्पन्न होते हैं, को अपनी लागत पर सुधारने के लिए बाध्य है ।

(ii) भुगतान पूर्ण रूप से गुणवत्ता के साथ जुड़े हुए हैं। यदि किसी सड़क कार्य को स्वतंत्र गुणवत्ता निगरानीकर्ता द्वारा 'असंतोषजनक' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, तो सुरक्षा जमा सहित भुगतान, तब तक रोक दिए जाते हैं जब तक कि सभी दोषों को पूरी तरह से ठीक नहीं किया जाता है और गुणवत्ता निगरानीकर्ता द्वारा प्रमाणित नहीं किया जाता है।

(iii) राज्य सरकारें को दोषी ठेकेदारों/निर्माण एजेंसियों के खिलाफ मजबूत दंडात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए अधिदेशित है। इसमें सुरक्षा जमाराशियों को जब्त करना, परिसमाप्त हर्जाना (एलडी) लगाना और भविष्य के कार्यों में भाग लेने से एजेंसी को वंचित करना शामिल है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में उच्च स्तर की जवाबदेही स्थापित होती है।

(iv) मंत्रालय ने निर्माण गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उन्नत दिशानिर्देशों और प्रणालियों को भी लागू किया है:

(क) त्रि-स्तरीय गुणवत्ता तंत्र: यह मजबूत तंत्र हर स्तर पर स्वतंत्र जांच सुनिश्चित करता है:

- टीयर I: समर्पित क्षेत्र प्रयोगशालाओं के माध्यम से ठेकेदार और परियोजना कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू) द्वारा अनिवार्य प्रक्रिया नियंत्रण और परीक्षण। पीआईयू प्रमुख अनिवार्य साइट निरीक्षण के लिए जिम्मेदार है।
- टीयर II: राज्य गुणवत्ता मॉनिटर (एसक्यूएम) निर्माण के प्रारंभिक, मध्य और अंतिम चरणों में कार्यों का व्यवस्थित और आवधिक स्वतंत्र निरीक्षण करते हैं।
- टीयर III: राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी (एनआरआईडीए) द्वारा तैनात राष्ट्रीय गुणवत्ता मॉनिटर (एनक्यूएम) देश भर में कार्यों के स्वतंत्र यादृच्छिक निरीक्षण के माध्यम से एक महत्वपूर्ण निरीक्षण भूमिका निभाते हैं।

(ख) प्रौद्योगिकी एकीकरण: भू-टैग की गई तस्वीरों और वास्तविक समय की निरीक्षण रिपोर्ट को कैप्चर करने के लिए ऑनलाइन प्रबंधन, निगरानी और लेखा प्रणाली (ओएमएमएएस) और गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (क्यूएमएस) ऐप का उपयोग किया जाता है। यह पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और मंत्रालय को सुधारात्मक कार्रवाई के लिए शीघ्र निर्देश जारी करने में सक्षम बनाता है।

(ग) नागरिकों से जुड़ाव: 'मेरी सड़क' मोबाइल ऐप नागरिकों को प्रतिक्रिया देने और गुणवत्ता से जुड़ी चिंताएं दर्ज करने के लिए एक असरदार माध्यम प्रदान करता है, जिसे बाद में समयबद्ध समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाता है।

यह व्यापक दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि पीएमजीएसवाई सड़कें लंबे समय तक चलें और ग्रामीण भारत के पूरे विकास के लिए भरोसेमंद एवं टिकाऊ संपर्कता मिले।

***

<u>अनुबंध</u>

क्र.सं.	ब्लॉक नाम	पैकेज सं.	स्वीकृति वर्ष	सड़क / पुल के नाम	संपर्कता (नई/उन्नत)	स्वीकृत लागत	राज्य लागत	सड़क लंबाई (किमी)	आज की तारीख तक व्यय	प्रगति का स्तर
1	मानिकपुर	यूपी1995	2021-2022	एमआरएल08-खोह मानिकपुर रोड से रामपुरिया लिंक रोड	उन्नत	703.68	284.83	7.200	0.00	प्रगति
2	मऊ	यूपी1984	2021-2022	एमआरएल14-बरगढ़ मढ़ा रोड से दुबी लिंक रोड	उन्नत	932.19	377.73	8.238	0.00	प्रगति
3	पहाड़ी	यूपी1986	2021-2022	एमआरएल15-राजापुर कमासिन रोड से भगत पुरवा लिंक रोड	उन्नत	681.42	276.10	6.375	363.82	प्रगति
4	पहाड़ी	यूपी1987	2021-2022	एमआरएल12-अर्छा बरेठी-कमसिन रोड से डोबिन पुरवा लिंक रोड	उन्नत	639.58	259.07	5.400	236.99	प्रगति
कुल						**2,956.87**	**1,197.73**	**27.213**	**600.81**	

*****